2015

HINDI

(Major)

Paper : 3.2

(Bharatiya Kavyashastra)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'नाट्यशास्त्र' के रचयिता कौन हैं?

(ख) "रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्।" यह किसकी काव्य-परिभाषा है?

(ग) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार कविता क्या है?

(घ) रस कितने प्रकार के होते हैं?

(ङ) अनुभाव क्या है?

(च) संचारी भावों की संख्या कितनी है?

(छ) वीर रस का स्थायी भाव क्या है?

(ज) वक्रोक्ति की परिभाषा दीजिए।

(झ) "ओ चिंता की पहली रेखा अरी विश्व-वन की व्याली!"

प्रस्तुत पंक्ति के 'विश्व-वन' में क्या अलंकार है?

(ञ) गण क्या है?

2. अति संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) भरतमुनि का रससूत्र क्या है?

(ख) प्रबंध काव्य किसे कहते हैं?

(ग) केशवदास ने काव्य में अलंकार की प्रयोजनीयता को लेकर क्या कहा है?

(घ) मात्रा कितने प्रकार की होती हैं और क्या-क्या हैं?

(ङ) काव्य-गुण क्या है? इसके भेदों का उल्लेख कीजिए।

3. किन्हीं **चार** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) काव्य-दोष पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) हास्य रस पर विचार कीजिए।

(ग) साधारणीकरण का तात्पर्य क्या है?

(घ) काव्य-प्रयोजन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) रस के अंगों का परिचय दीजिए।

(च) काव्यात्मा के रूप में वक्रोक्ति का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के संतुलित उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) काव्य-लक्षण का आशय बताते हुए भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों द्वारा दिए गए काव्य-लक्षणों पर विचार कीजिए।

अथवा

व्यंजना शब्दशक्ति के प्रमुख भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

(ख) काव्य-हेतु का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रस निष्पत्ति क्या है? विभिन्न आचार्यों द्वारा दिए गए रस निष्पत्ति के मतों पर प्रकाश डालिए।

(ग) रस के महत्त्व पर विचार कीजिए।

अथवा

ध्वनि संप्रदाय का ऐतिहासिक परिचय दीजिए।

(घ) उदाहरण एवं संघटना के साथ निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का परिचय दीजिए :

श्लेष ; अनुप्रास ; अपह्नुति ; तुल्ययोगिता।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छंदों का सम्यक् परिचय प्रस्तुत कीजिए :

रोला ; दोहा ; सवैया ; मंदाक्रांता।

★★★